1815. निम्नलिखित में से कौन सी भेड़ की नस्ल 'चकरी' के नाम से जानी जाती है?
(a) मगरा (b) नाली
(c) पूगल (d) सोनाड़ी

कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (रसायन) भर्ती परीक्षा-2019

Ans. (a) राजस्थान की मगरा भेड़ को 'बीकानेरी चकरी' भी कहा जाता है। मगरा भेड़ बीकानेर, नागौर, जैसलमेर एवं चुरु जिले में पाई जाती है।

1816.राजस्थान भारत में किसका सर्वाधिक उत्पादक है?
(a) ग्रेनाइट (b) कपास (c) ऊन (d) मसाले
उत्तर – (c)

RPSC RAS/RTS 2003

व्याख्या — देश के कुल ऊन उत्पादन का 45 से 50 प्रतिशत भाग राजस्थान राज्य का है। औद्योगिक स्तर पर ऊन का उपयोग करने के लिए जोधपुर, कोटा तथा बीकानेर में ऊन की मिलें स्थापित की गई है। ऊन के धागे तैयार करने के कारखाने जोधपुर, कोटा, बीकानेर, नवलगढ़ तथा चुरु में है। बीकानेर में स्थापित राज्य वूलेन मिल एशिया की सबसे बड़ी मिल है। ऊन व्यवसाय को व्यवस्थित एवं विकसित करने हेतु जोधपुर में केन्द्रीय ऊन बोर्ड की स्थापना की गई है।

1817.राजस्थान में जिस पशुधन का सर्वाधिक प्रतिशत है, वे पशु हैं-
(a) बकरियाँ (b) भेड़ें
(c) दुधारू पशु (d) ऊँट
उत्तर - (a) **RPSC RAS/RTS-1992**

व्याख्या – 20वीं पशुधन जनगणना के अनुसार राजस्थान में कुल 5.68 करोड़ पशु हैं। जिनमें बकरियों की संख्या सर्वाधिक है। राजस्थान पशुओं की जनसंख्या के मामले में उत्तर प्रदेश के बाद द्वितीय स्थान पर है।

1818. 'सांचौरी' नस्ल के मवेशी पाए जाते हैं-
(a) जालौर, सिरोही में
(b) झालावाड़, बांसवाड़ में
(c) पाली, कोटा में
(d) बारां, प्रतापगढ़ में

RPSC Librarian Gr-III 11-09-2022 Shift-I

Ans. (a) : गोवंश की सांचौरी नस्ल राजस्थान के जालौर, सिरोही, बाड़मेर जिलों में पायी जाती है। यह गौवशं संख्या में अधिक किन्तु दुग्ध उत्पादकता में सामान्य श्रेणी की है।

1819. राजस्थान में गोरबंद किस पशु का विशिष्ट श्रृंगार है?
(a) बैल (b) ऊँट
(c) हाथी (d) घोड़ा

RPSC Prayogshala Sahayak (Vigyan) 28-06-2022

Ans. (b) : ऊँटों की उनकी गर्दन से लेकर पीठ तक पहनाया जाने वाला सजावटी, जालीनुमा लटकने वाला एक प्रकार का आभूषण है, जिससे ऊँटों का श्रृंगार किया जाता है।

1820. राजस्थान में भेड़ की किस नस्ल को 'भारतीयों मेरिनों' कहा जाता है?
(a) चोकला (b) मालपुरी
(c) पूगल (d) मगरा

कनिष्ठ अनुदेशक (वेल्डर) भर्ती परीक्षा -2018
कनिष्ठ अभियंन्ता (यांत्रिक) –13-12-2018
कनिष्ठ अनुदेशक (कोपा) भर्ती परीक्षा-2018
जूनियर इसंपेक्टर (वेल्डर)26-03-2019
पशुधन सहायक भर्ती परीक्षा -2018
कृषि पर्यवेक्षक-2021
कनिष्ठ लिपिक अभियन्ता 18-05-2022

Ans. (a) : राजस्थान में चोकला नस्ल की भेंड़ को ''भारतीय मेरिनों'' कहा जाता है। इसे छपर भेड़, शेखावटी भेड़ भी कहा जाता है। चोकला नस्ल की भेड़ भारत और राजस्थान में सबसे अच्छी किस्म की ऊन देने वाली मानी जाती है। यह राजस्थान के सीकर, चुरू, झुंझुनू और नागौर जिलों में बहुतायत में पायी जाती है।

1821. राजस्थान में इनमें से कौन-सी एक भेड़ की नस्ल पाई जाती है?
(a) नागौरी (b) राठी
(c) चोकला (d) मुर्रा

LivStock Assistant- 2016
RPSC-2011

Ans. (c) : चोकला भेंड़ को भारत एवं राजस्थान में सबसे अच्छी गुणवत्ता की ऊन देने वाली मानी जाती है। इसलिए यह भारत की मेरिनों के नाम से प्रसिद्ध है। चोकला भेड़ को छपर भी कहते है। यह शेखावटी क्षेत्र में पायी जाती है। झुंझुनू,सीकर,बीकानेर, चुरू व जयपुर में बहुतायत मात्रा मे पायी जाती है।

1822. 19वीं पशु गणना के अनुसार, राजस्थान में भेड़ों की संख्या में वर्ष 2007 से 2012 के मध्य कमी हुई है
(a) 21.36 प्रतिशत (b) 15.86 प्रतिशत
(c) 18.86 प्रतिशत (d) 23.00 प्रतिशत

RPSC-2017

Ans. (c) : 19वी पशुगणना के अनुसार राजस्थान में भेड़ों की संख्या में वर्ष 2007 से 2012 के मध्य 18.86 प्रतिशत की कमी हुई है।

1823. केन्द्रीय ऊन विकास बोर्ड स्थित है
(a) जोधपुर (b) जयपुर
(c) आविकानगर (d) दिल्ली

RPSC-2017

Ans. (a) : वस्त्र मंत्रालय द्वारा जुलाई 1987 में केन्द्रीय ऊन विकास बोर्ड का गठन किया गया। इसका मुख्यालय जोधपुर (राजस्थान) में है।

1824. निम्नलिखित में से कौन राजस्थान में एक भेड़ की प्रजाति नहीं है?
(a) मगरा (b) पूगल
(c) मारवाड़ी (d) मालवी

RPSC-2018
Investigator Exam- 2016

Ans. (d) : मगरा, पूगल, तथा मारवाड़ी राजस्थान की भेंड़ की प्रजातियां है। मगरा,बीकानेर, नागौर, जैसलमेर तथा चुरू जिलों में पाई जाती है। पूगल, बीकानेर तथा जैसलमेर में पाई जाती हैं, मारवाड़ी भेड़ों मे रोग प्रतिरोधक क्षमता अधिक होती है। राजस्थान में सर्वाधिक भेड़े इसी नस्ल की पाई जाती है। मालवी 'गो वंश' की नस्ल है।

1825. पशुगणना 2012 के अनुसार भारत के कुल पशुधन में राजस्थान का हिस्सा किना है?
(a) 11.27% (b) 15.27%
(c) 10.27% (d) 20.27%

RPSC-2018